दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: MOHAN LAL

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi

Email:

Center & Date: Online | 25 June 2023

UPSC Roll No.: 1106390

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A	→	63
खंड-B Section-B	→	64
सकल योग (Grand Total)		127/250

E:11145

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517

drishti दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

=> दोनो निबंध की संदर्भ दक्षता अच्छी है।

=> परिचय दक्षता ठीक है।

=> विषय-वस्तु सम्बंधी पक्ष सराहनीय है।

=> भाषा/प्रवाह अच्छी है।

=> निष्कर्ष-दक्षता सम्बंधी पक्ष सही है।

=> दोनो निबंध में प्रस्तुति दक्षता अच्छी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright Drishti The Vision Foundation

⇒ निबंध क्रम संख्या जरूर लिखें।

खण्ड-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"कोई 'प्लान B' नहीं है क्योंकि हमारे पास 'प्लैनेट B' नहीं है। हमें इसी पर काम करना है और अपनी कार्रवाई को प्रेरित करना है।"

⇒ भूमिका
उद्देश्य है

सन् 2021 की बात है जब पृथ्वी के फेफड़े कहे जाने वाले अमेजन वर्षा वन भीषण दावानल से अपनी पैठ खोते जा रहे थे। उस समय कुछ पूँजीवादियों तथा पूर्व राष्ट्राध्यक्षों ने इसे नजरअंदाज करते हुए बताया कि इससे पर्यावरण क्षरण या जलवायु परिवर्तन से कोई सीधा संबंध नहीं है। ज्ञातव्य है कि वे मानव उपभोगवादी संस्कृति में विश्वास करते थे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दूसरी ओर उसी समय प्रमुख पर्यावरणविदों तथा पर्यावरणीय संवेदनशील राष्ट्राध्यक्षों ने इसे पारिस्थितिकी आपातकाल घोषित किया। क्योंकि उनका मानना था कि जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन, एवं वनाग्नि को रोकना ही 'प्लान A' है एवं पृथ्वी स्वयं प्लैनेट A है प्लान B का कोई अस्तित्व ही नहीं है। इसलिए सभी राष्ट्रों ने इस अमेजन वनाग्नि को रोकने हेतु संयुक्त कार्रवाई को प्रेरित किया जिससे दावानल को काबू में किया गया।

उल्लेखनीय है कि आधुनिकीकरण के दौर में प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन प्लैनेट

प्रयास सही दिशा में है।

अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए। Candidate must not write on this margin
drishti दृष्टि The Vision

drishti दृष्टि The Vision

की परिस्थितिकी क्षमता को प्रभावित करता है, जिससे परिस्थितिकी असंतुलन उत्पन्न होता है एवं परिणाम के रूप में चरम मौसमी घटनाएँ घटित होती हैं। जैसे- बाढ़, दावानल, भूस्खलन आदि। ये सभी बताते हैं कि हमारे पास कोई प्लैनेट B नहीं है और फ्रंटफुट पर प्लान A के तहत प्लैनेट A का बचाव करना है।

आइए अब हम देखते हैं कि ऐसी कौनसी परिस्थितियाँ हैं जो प्लान B तथा प्लैनेट B दोनों को नकारती हैं, प्लान A तथा प्लैनेट A का क्या महत्व है, प्लैनेट के संरक्षण में किस प्रकार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की कार्रवाईयों को प्रेरित करना है और उसका प्लैनेट के रूप में पृथ्वी को क्या लाभ होगा आदि।

आखिर हम प्लान B और प्लैनेट B के बारे में सोचने को मजबूर क्यों हुए, इसका उत्तर है कि औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, वनोन्मूलन, CO_2 उत्सर्जन में वृद्धि, पर्यावरणीय प्रदूषण इत्यादि ने संयुक्त रूप से पारिस्थितिकी व्यवस्था को असंतुलित कर दिया है जिससे ग्लोबल वार्मिंग जैसे दुष्प्रभाव सामने आए हैं। वैश्विक स्तर पर ग्रीन हाउस गैसों के बढ़ते सांद्रण से पार्थिव विकिरणों का निचले वायुमण्डल द्वारा अवशोषण ही ग्लोबल वार्मिंग है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)
drishti The Vision

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ज्ञातव्य है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण सभी पारिस्थितिकी तंत्र नकारात्मक प्रभावित हुए हैं। जैसे- समुद्री जल स्तर में वृद्धि, ग्लेशियरों का पिघलना, महासागरीय अम्लीयकरण, पर्माफ्रास्ट का पिघलना, चरम मौसमी घटनाएँ आदि। ये सभी घटनाएँ प्लैनेट A की असंधारणीयता तथा असतता को दर्शाती हैं और इस ओर इशारा करती है कि हमारे पास कोई प्लैनेट B नहीं है, इसलिए जलवायु कार्यवाहियों के रूप में प्लान A को जल्द से जल्द क्रियान्वित किया जाए।

इसके अलावा असाधारणीयता के कुछ अन्य तत्व भी हैं जो बताते हैं कि प्लैनेट e का क्या महत्व है।

अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये
Candidate must not write on this margin
drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जैसे - खाद्य सुरक्षा, उत्तरजीविता, कृषि, वन-जल-जमीन का संबंध आदि। हम जानते हैं कि जीवन के रूप में ज्ञात पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा प्लैनेट है जो सजीवों को आश्रय प्रदान करती है।

इस प्रकार यह आवश्यक हो गया है कि प्लैनेट A की संधारणीयता बनाए रखने हेतु हमें प्लान B की जगह प्लान A के तहत कार्रवाई करने की आवश्यकता है। यदि प्लान B के बारे में चर्चा करें तो पाते हैं कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति असक्रिय अथवा ढीला होना, बढ़ते तापन को सहने हेतु A.C. का प्रयोग करना, पर्यावरणीय अवधारणाओं जैसे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जलवायु परिवर्तन को न मानना, दूसरों पर छोड़ना जैसी अकर्मण्यता। नीति ही प्लान B है जो कि वास्तव में कोई प्लान ही नहीं है।

जैसा कि महात्मा गाँधीजी ने बताया कि "पृथ्वी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है लेकिन लालच का नहीं" इसलिए लालच को कम करने हेतु प्लान A पर कार्य करने की आवश्यकता है। ज्ञातव्य है कि हाल ही में आई IPCC की छठी आंकलन रिपोर्ट में यह दर्शाया गया है कि पिछली एक सदी में औसत तापमान वृद्धि 2°C, CO_2 की सांद्रता में 50% वृद्धि, 100mm से अधिक समुद्र जल स्तर वृद्धि तथा 70% से अधिक पादप तथा जीव प्रजातियाँ विलोपन के कगार पर हैं।

Good.

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जलमंडल, वायुमण्डल तथा स्थलमण्डल प्लैनेट A के घटक हैं, इसलिए इनके संरक्षण हेतु प्लान A के तहत कार्रवाई की आवश्यकता है। क्योंकि पारिस्थितिकी क्षरण के अनेक अन्य दुष्परिणाम भी हैं। जैसे- पर्यावरणीय विवादों का बढ़ना, सामाजिक ताने-बाने का बिखरना, आर्थिक हानि जिसमें पारिस्थितिकी पर्यटन, जनजातिय उत्तरजीविता तथा रोजगार व्यवस्था।

राजनीतिक दुष्परिणामों के अंतर्गत देशों के मध्य प्राकृतिक संसाधनों के बँटवारे को लेकर आपसी झगड़े तथा युद्ध शामिल है। जैसे 19 वीं सदी में अफ्रीका का जायरे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बेसीन, कांगो बेसीन, नील नदी घाटी क्षेत्र, रूर व सार की घाटी, अल्फांस व लॉरेन क्षेत्र, भारतीय प्रायद्वीप क्षेत्र इत्यादि में यूरोपीय शक्तियों के बीच टकराव। हाल ही में चीन की नाइन डैश लाइन के तहत विस्तारवादी नीति भी यही दर्शाती है कि प्लैनेट A पर संसाधनों की सीमितता के कारण आपसी द्वन्द्व बढ़े हैं।

इस प्रकार के टकरावों को रोकने के लिए वैश्विक, राष्ट्रीय, राज्य तथा स्थानीय स्तर पर अनेक कार्यवाहियाँ की हैं।

वैश्विक स्तर पर बात करें तो हम देखते हैं कि इसकी प्लैनेट A के संरक्षण की शुरुआत 1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन में हुई थी। 1987 में ब्रटलैण्ड आयोग

drishti The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए। (Candidate must not write on this margin)

की रिपोर्ट के आधार पर प्रथम बार संधारणीयता को परिभाषित किया गया तथा प्लान A के तहत पर्यावरण संरक्षण कार्रवाइयों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इसी की अगली कड़ी में पृथ्वी सम्मेलन 1992, पेरिस समझौता - 2015 अपनाया गया।

यदि भारत के संदर्भ में चर्चा करें तो हम पाते हैं कि भारत प्राचीन काल से ही प्लैनेट A की रक्षा हेतु "वसुधैव कुटुम्बकम्" तथा "सर्वे भवन्तु सुखिनः के उद्देश्यों के साथ कार्रवाइयाँ कर रहा है। जैसे- जनजातियों का पर्यावरण संग रिश्ता, पवित्र उपवन, चिपको आंदोलन आदि जो सामाजिक - सांस्कृतिक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के द्वारा प्लैनेट की रक्षा करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Drishti The Vision Foundation

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वहीं दूसरी ओर राजनीतिक-प्रशासनिक स्तर पर प्लान A के तहत प्लैनेट के बचाव हेतु अनेक कार्रवाइयाँ हुई हैं। जैसे- INDC को अपनाना, NAPCC के तहत 8 मिशन, SDG लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रयास, LiFE पहल आदि।

स्थानीय स्तर पर भी ऐसे अनेक प्रयास हुए हैं जैसे- ओरण भूमि में वृक्ष नहीं काटना, जैव-विविधता संरक्षण समितियाँ आदि। भारत में विश्नोई समुदाय सामुदायिक स्तर पर प्लैनेट संरक्षण का एक जीता जागता उदाहरण है जो पशु तथा वन संरक्षण हेतु विश्व प्रसिद्ध है।

इसी प्रकार अन्य क्षेत्रों

[प्रयास सही दिशा में है]

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

drishti The Vision

जैसे वैदेशिक संबंध मधुर बनाने, सार्वभौमिकीकरण, एक विश्व - एक भविष्य - एक समान, आर्थिक क्षेत्र या आध्यात्मिक क्षेत्र हो, इसमें भी हमें प्लान A के तहत सकारात्मक कार्रवाईयाँ करनी होगी तभी प्लैनेट का स्थायित्व बना रहेगा।

सही है

अतः हमें इसी प्लैनेट पर काम करने के लिए एक एकीकृत बहुआयामी एप्रोच अपनाने की आवश्यकता है, ताकि पर्यावरण तथा पृथ्वी के सभी घटकों का समान रूप से संरक्षण व स्थायित्व प्रबल हो। इसके लिए एक-विश्व अथवा "वसुधैव कुटुम्बकम्" के संदेश को विश्वव्यापी बनाना होगा, जैसा कि वर्तमान में भारत द्वारा जी-20 के दौरान

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti दृष्टि The Vision

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

प्रयास किए जा रहे हैं।

निष्कर्षतः इससे सभी समाजों में प्लान A को वरीयता मिलेगी तथा हम जानते हैं कि कोई 'प्लैनेट बी' भी नहीं है, इसलिए संधारणीय विकास लक्ष्यों तथा समावेशी प्रक्रिया द्वारा हमें इसी प्लैनेट पर काम करना है तथा 'एक विश्व' हेतु निरन्तर कार्रवाईयों को प्रेरित करता है।

"एक विश्व - एक पृथ्वी - एक भविष्य"

"वसुधैव कुटुम्बकम्"

=> निबंध लेखन विश्लेषणात्मक एवं प्रभावशाली है।

=> 63/125

=> निरन्तर अभ्यास करते रहें।

P.T.O.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Essay :

drishti

दृष्टि The Vision

"मुफ्त उपहारों की सदैव एक कीमत चुकानी पड़ती है, चाहे पहले हो या बाद में"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रोहित ने कुछ समय पहले 2016 में नया फोन खरीदा ही था कि रिलायंस जियो टेलिकम्युनिकेशन सर्विस ने घोषणा कर दी थी कि वह प्रतिदिन 4 Gb डाटा मुफ्त प्रदान करेगा, साथ ही सिम कार्ड भी मुफ्त में देंगे। रोहित बहुत खुश हुआ तथा चार महीनों तक फ्री के डाटा प्रयोग से मानो उसे इन्टरनेट की लत लग गई हो।

जैसे ही JIO ने घोषणा की कि अब से प्रति माह 200 ₹ का प्लान खरीदना होगा तथा डाटा भी प्रतिदिन 1.5 Gb मिलेगा, रोहित

⇒ प्रसंग के माध्यम से शुरुआत अच्छी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright Drishti The Vision Foundation

भौंचक्का रह गया। लेकिन यह हर कोई जानता है मुफ्त के रूप में मिलने वाले डाटा के रूप में उपहार की कीमत बाद में प्रतिमाह के रूप में चुकानी ही पड़ी।

सामान्यतया मुफ्त उपहारों में वह छुपा रहता है जिससे कोई व्यक्ति पैसे देकर खरीदता हो या पहुँच बनाकर प्राप्त करता हो। आज के युग में मुफ्त उपहारों के रूप में दी गई रिश्वत प्रत्येक क्षेत्र में पैर पसार रही है। जैसे एक मोबाइल उपभोक्ता से लेकर देशों के वैदेशिक संबंधों में भी मुफ्त उपहारों का प्रभाव दिखता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

यदि हम सामाजिक क्षेत्र के विभिन्न आयामों में झाँके तो पाते हैं कि वर्तमान पीढी को प्राप्त आधुनिक मूल्य, समानता, स्वतंत्रता, भेदभाव विहीन समाज जैसे गुण मुफ्त उपहार में तो मिले हैं लेकिन इनके लिए हमारे पूर्वजों ने कीमत चुकाई है।

जैसे आध्यात्मिकता तथा विज्ञानवाद का जो आज सम्मिलन दिखता है, इसकी कीमत 19 वीं सदी में स्वामी विवेकानन्दजी ने चुकाई थी। अनेक समाजविदों ने उदारवादी समाज के निर्माण में अपने पूरे जीवन की कीमत चुकाई जो वर्तमान पीढी को मुफ्त उपहार के रूप में खुले समाज के रूप में प्राप्त हो रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
8750187501, 8448485517

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसी तरह यदि राजनीतिक क्षेत्र की बात करें तो हम देखते हैं कि वर्तमान लोकतांत्रिक मूल्यों जैसे- न्याय, समता, बंधुता, स्वतंत्रता को विकास हेतु भी कीमत चुकानी पड़ी। जैसे- फ्रांसीसी क्रांति में शामिल लाखों लोगों के प्राणों की कीमत से ही स्वतंत्रता, समता तथा बंधुता जैसे उपहार विश्वजगत को प्राप्त हुए।

इसी प्रकार भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की ओर चलें तो देखते हैं कि उपहार के रूप में स्वतंत्रता की प्राप्ति हेतु अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने जन-धन की कीमत चुकाई। जैसे- महात्मा गाँधी, भगत सिंह, नेताजी बोस, लोकमान्य तिलक, सरदार पटेल आदि।

प्रयास सही दिशा में है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वहीं दूसरी ओर वर्तमान भारतीय राजनीतिक चर्चाओं का विश्लेषण करने पर हम देखते हैं कि चुनावी लाभों हेतु मुफ्त के उपहार या फ्रीबीज की घोषणा की जाती हैं। लेकिन यह सर्वविदित है कि आखिर इन फ्रीबीज की कीमत आम जनता को ही चुकानी होती है।

जैसे कर के द्वारा राजस्व संग्रहण प्राप्ति हो या आर्थिक दिवालियापन की ओर बढ़ने पर आम-जन की जेब पर मार। इसलिए मँहगाई के रूप में या अधिक कर के रूप में इन मुफ्त उपहारों की कीमत आमजन को ही चुकानी पड़ेगी।

आर्थिक क्षेत्रों को देखें तो भी यही नजर आता है कि मुफ्त

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

में कुछ नहीं मिलता है। जैसे- आर्थिक अवधारणाओं के विकासक्रम ने भी कीमत चुकाई। उदाहरण के तौर पर पूँजीवादी अर्थशास्त्र से आई 1929 की महामंदी के रूप में चुकाई गई कीमत से कीन्सवादी तथा समाजवाद जैसे उपहार के रूप में विचारधाराएँ मिली।

सरकारों अथवा राजनीतिक कार्यपालिकाओं द्वारा जो जनकल्याणकारी योजनाएँ तथा कार्यक्रम चलाए जाते हैं उनकी कीमत भी शुल्क, कर या भारांश के तौर पर आम जन को ही चुकानी पड़ती है।

इसी कड़ी में यही बात पर्यावरण के क्षेत्र में भी एकदम सटीक बैठती है। मानव उपभोग संस्कृति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए। (Candidate must not write on this margin)

तथा मानव केन्द्रित सुखवाद के रूप में भोग-विलासितापूर्ण जीवन जी रहे हैं, उसकी कीमत पारिस्थितिकी तंत्र ने चुकाई है।

आज प्रत्येक आर्थिक तथा व्यक्तिगत गतिविधि हेतु ऊर्जा की आवश्यकता होती है जबकि खनन के द्वारा, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन, ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के रूप में इसकी कीमत चुकाई जा रही है।

इसके विपरीत यदि जीवन के आवश्यक घटकों के रूप में मिले मुफ्त उपहार, जैसे- जल, ऑक्सीजन की भी इसके द्वारा कीमत चुकाई गयी जिसका परिणाम आज का बौद्धिक मानव प्राणी का विकास है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार यदि वैश्विक स्तर पर विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को अनुदान भी मुफ्त उपहार नहीं है बल्कि नव-साम्राज्यवाद के रूप में छिपी हुई शर्तों की कीमत चुकानी पड़ती है। जैसे- 1991 में IMF द्वारा भारत को दिया गया अनुदान मुफ्त प्रतीत हो सकता है, लेकिन LPG (वैश्वीकरण, उदारीकरण तथा निजीकरण) के रूप में भारत को इसकी कीमत चुकानी पड़ी।

वैश्विक स्तर पर यदि चीन नीति को देखे तो चीन की डेब्ट ट्रैप नीति भी इसी का अनुसरण करती है। जैसे- CPEC हेतु पाकिस्तान को मुफ्त में अनुदान तो दिया गया लेकिन संप्रभुता तथा आर्थिक दिवालियापन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517

drishti
दृष्टि The Vision

की कीमत पाकिस्तान को चुकानी पड़ी।

इसी संदर्भ में यदि हम लोकसेवाओं पर बात करें तो हम देखते हैं कि अनेक मौको पर लोकसेवकों को मँहगे उपहार मुफ्त में दिए जाते हैं लेकिन उसका वास्तविक उद्देश्य नीतियों या निर्णयों को अपने पक्ष में कराना होता है। चूंकि यह एक भ्रष्टाचार का रूप है। अतः इन उपहारों की प्राप्ति से भी लोकसेवक ने ईमानदारी, सत्यनिष्ठा व निष्पक्षता जैसे मूल्यों के बलिदान की कीमत चुकाई।

इस तरह हमने देखा कि किस प्रकार मुफ्त उपहारों की प्राप्ति हेतु चाहे धन हो, मूल्य हो, समय हो या जीवन हो, कीमत चुकानी पड़ती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright Drishti The Vision Foundation

इसलिए प्रत्येक इंसान को अपने निजी तथा सार्वजनिक जीवन में मुफ्त के उपहारों से कोई नजदीकियाँ नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि एक ओर यह अकर्मण्यता, नियतिवाद तथा भाग्यवाद को बढ़ावा देता है तो दूसरी ओर इसकी कीमत चुकाना भी अवश्यंभावी है।

भारतीय दर्शनधारा की जैन परंपरा के पंचव्रत इस व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। चूंकि व्यक्ति को अपने चारों पुरुषार्थों (काम, अर्थ, धन, मोक्ष) की प्राप्ति हेतु सदैव निष्काम कर्मयोग करना चाहिए ताकि मुफ्त के उपहारों का विचार ही पैदा न हो। पंचव्रत के तहत

सही दिशा में है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चोरी न करना अर्थात् अस्तेय गुण कर्मशीलता को दर्शाता हैं, जो कहता हैं कि कर्मण्यता के रूप में चुकाई गई कीमत फ्रीबीज या मुफ्त उपहार से अधिक बेहतर हैं।

ज्ञातव्य हैं कि जैसे-जैसे समाज संक्रमणशीलता से गुजर रहा हैं तथा नए-नए मूल्यों जैसे- आधुनिकवाद, विज्ञानवाद, पाश्चिमीकरण का समावेश हो रहा हैं, वैसे-वैसे विश्व मनुष्य केन्द्रित होता जा रहा हैं। इसके परिणाम के रूप में पारंपरिक सांस्कृतिक मूल्यों की कीमत चुकानी पड़ रही हैं।

इसलिए विश्व के प्रत्येक समाज को लालच से बाहर निकालकर उन मुफ्त उपहारों को

निरन्तर अभ्यास करते रहें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti

दृष्टि The Vision

प्राप्त करने से बचना चाहिए जिनसे नकारात्मक प्रवृत्ति की कीमत चुकानी पड़े। इस हेतु समाज में नैतिक मूल्यों को स्थापित करना होगा ताकि मुफ्त उपहार की जगह व्यक्ति स्वयं पर विश्वास करें तथा स्वयं के आत्मविश्वास से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े।

इस हेतु प्रत्येक व्यक्ति तथा राष्ट्र को अपनी क्षमता के अनुरूप निरंतर कार्यशील होना चाहिए ताकि राष्ट्र तथा इसके लोगों का बहुमुखी विकास हो सके।

अतः नकारात्मक मुफ्त उपहारों से बचकर अपनी ऊर्जा को रचनात्मकता तथा सृजनशीलता देनी चाहिए ताकि पहले या बाद में इसकी कीमत न चुकानी पड़े।

निबंध
लेखन
सम्बंध
प्रस्तुतिकरण
अच्छा
है

64/125

0.6004

Copyright – Drishti The Vision Foundation